टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED
(अनुसूची 'ए' , मिनी रत्न , पीएसयू)
(Schedule 'A', Mini Ratna PSU)

Great Place To Work® Certified
JUN 2024-JUN 2025
INDIA

गंगावतरणम
GANGAVATARANAM

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की गृह पत्रिका

मार्च, 2025

मुख्य संरक्षक
श्री आर. के. विश्नोई
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

संरक्षक
श्री शैलेन्द्र सिंह
निदेशक (कार्मिक)

संपादक
डॉ. ए. एन. त्रिपाठी
महाप्रबंधक
(मा. सं. एवं प्रशा. एवं जनसंपर्क)

उप संपादक
डॉ. काजल परमार
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

विशिष्ठ सहयोग
श्री पंकज कुमार शर्मा
उप प्रबंधक (राजभाषा)

सहायक संपादक
श्री ईशान भूषण
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

समन्वयक

टिहरी
श्री मनबीर सिंह नेगी
प्रबंधक (जनसंपर्क)

कोटेश्वर
श्री आर. डी. मंमगाई
उप प्रबंधक (जनसंपर्क)

कौशांबी
श्री के. सूर्या मौली
सहायक प्रबंधक (मा.सं एवं प्रशा.)

खुर्जा
श्री प्रभात कुमार
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

पीपलकोटी
श्री यतवीर सिंह चौहान, प्रबंधक(जनसंपर्क)
व **श्री अविनाश कुमार**
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

ऋषिकेश
श्री अभिषेक तिवारी
जनसंपर्क अधिकारी

CONTENTS

1. CMD's Message ______ 3.
2. THDC conferred with ET Govt DigiTech Award ______ 4.
3. THDC conferred with SDG Achievers Award - Corporates, 2023 ______ 5.
4. THDCIL successfully organized Marathon 4.0 ______ 6.
5. THDCI organized vigilance training program at Kerela ______ 7.
6. THDCIL facilitated the installation of State-of-the-Art surgical microscope at Eye hospital Dehradun ______ 8.
8. THDCIL signed MoU with Chhattisgarh State Power Generation Company Limited (CSPGCL) and Government of Chhattisgarh ______ 9.
9. THDCIL organized International Women's day ______ 10.
10.THDCIL organized International Women's day for contractual staff ______ 11.
12. Ladies Club ______ 12.
13. KSTPP Unit-2 successfully achieved the Turbine Barring Gear operation ______ 13.
14. Volleyball match organized & 54th National Safety Day observed at VPHEP ______ 14.
15. VPHEP organized CISF raising day, ENT camp & National Safety Day at KSTPP ______ 15.
16.HRD Corner ______ 16.
17. Breast Cancer Awareness, Skill training centre at VPHEP ______ 18.
18. Retirements ______ 19.

लोकः समस्ताः सुखिनो भवन्तु।
May everyone, in the whole world, be happy.

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय का संदेश

प्रिय सहकर्मियों,

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2025 के इस शुभ अवसर पर, मैं आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ। यह दिन न केवल महिलाओं की असाधारण उपलब्धियों का उत्सव मनाने का है, बल्कि उनके समर्पण, आत्मबल और समाज में उनके अमूल्य योगदान को सम्मान देने का भी अवसर है।

आज, भारतीय महिलाएँ हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और परिश्रम से नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। विज्ञान, खेल, व्यवसाय, राजनीति, रक्षा, शिक्षा, कला और साहित्य – हर क्षेत्र में वे अपनी छाप छोड़ रही हैं। कल्पना चावला और राकेश शर्मा के सपनों को आगे बढ़ाते हुए रितु करिधल और नंदिनी हरिनाथ जैसी महिला वैज्ञानिक भारत के अंतरिक्ष मिशनों को नई ऊंचाइयों पर ले जा रही हैं। पी. वी. सिंधु, मैरी कॉम और मिताली राज जैसी खिलाड़ी न केवल देश का नाम रोशन कर रही हैं, बल्कि युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा भी बन रही हैं।

व्यापार और नेतृत्व में भी महिलाएँ उल्लेखनीय योगदान दे रही हैं। फाल्गुनी नायर ने नायका को एक सफल ब्रांड बनाया, किरण मजूमदार-शॉ ने बायोकॉन को एक अग्रणी दवा कंपनी के रूप में स्थापित किया और इंदिरा नूई ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कॉर्पोरेट जगत में अपनी पहचान बनाई। राजनीति में निर्मला सीतारमण, स्मृति ईरानी और डॉ. किरण बेदी जैसी महिलाओं ने नेतृत्व की नई परिभाषा गढ़ी है।

हमारी संस्था में भी महिलाएँ न केवल कार्यस्थल पर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, बल्कि अपने समर्पण और कौशल से संस्थान की सफलता में अभूतपूर्व योगदान दे रही हैं। उनकी कड़ी मेहनत, दूरदृष्टि और नेतृत्व क्षमता हमें निरंतर प्रेरित करती है। आज की महिलाएं गृहस्थी तो संभाल ही रही हैं साथ ही व्यवसाय में कंधे से कंधा मिलाकर पुरूषों के बराबर कार्यशील हैं |

आज, जब हम महिला दिवस मना रहे हैं, हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम कार्यस्थल और समाज में समानता, समावेशिता और सशक्तिकरण को प्रोत्साहित करें। हमें महिलाओं को ऐसे अवसर प्रदान करने चाहिए, जिससे वे अपनी पूरी क्षमता के साथ आगे बढ़ सकें और अपने सपनों को साकार कर सकें। हमारी संस्था महिलाओं के अधिकारों और उनके विकास के लिए प्रतिबद्ध है। हमें मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि हर महिला को प्रगति करने और नेतृत्व करने का समान अवसर मिले।

आइए, इस महिला दिवस पर हम सभी मिलकर महिलाओं के सम्मान, उनके अधिकारों और उनके योगदान को नमन करें और उनके साथ मिलकर भविष्य की ओर कदम बढ़ाएँ।

आप सभी को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं!

धन्यवाद !

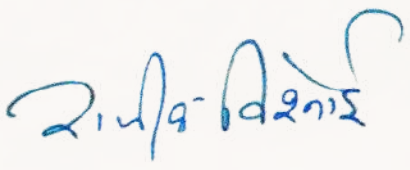

(आर. के. विश्नोई)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

टीएचडीसी ईटी गवर्नमेंट डिजिटेक अवार्ड्स- 2025 में "आपदा प्रबंधन में डिजिटल नवाचार- गोल्ड कैटेगरी” से सम्मानित

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड को नई दिल्ली में आयोजित हुए ईटी गवर्नमेंट डिजिटेक अवार्ड्स- 2025 में "आपदा प्रबंधन में डिजिटल नवाचार- गोल्ड कैटेगरी (डिजिटल इनोवेशन इन डिजास्टर मैनेजमेंट- गोल्ड कैटेगरी)" पुरस्कार से सम्मानित किया गया। निगम को यह सम्मान टिहरी बांध के लिए बनाए गए बेहतरीन डिजिटल आपदा प्रबंधन प्रणाली के लिए मिला। टीएचडीसी की यह उपलब्धि आपदा प्रबंधन और सार्वजनिक सुरक्षा के लिए अत्याधुनिक तकनीक के उपयोग में निगम की नेतृत्वकारी भूमिका को दर्शाती है।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारत सरकार के माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय, परमाणु ऊर्जा विभाग तथा अंतरिक्ष विभाग, डॉ. जितेन्द्र सिंह थे। मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. जितेन्द्र सिंह के साथ ही शीर्ष अधिकारियों और उद्योग जगत के दिग्गजों की उपस्थिति इस सम्मेलन के महत्व को दर्शाती है। डॉ. सिंह ने सरकार एवं शासन में सुधार के लिए जनरेटिव एआई, मशीन लर्निंग और ऑगमेंटेड/वर्चुअल रियलिटी जैसी तकनीक की भूमिका पर जोर दिया। इसी संदर्भ में यह हर्ष का विषय है कि माननीय केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह द्वारा ही पिछले साल टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड को ‘लीडरशिप इन डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन’ श्रेणी में प्रतिष्ठित पीएसयू लीडरशिप एंड एक्सीलेंस अवार्ड 2024 से भी सम्मानित किया गया था।

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री आर. के. विश्नोई ने इस अवॉर्ड के लिए निगम की पूरी टीम को बधाई दी और इस सफलता का श्रेय टीम की निरंतर प्रतिबद्धता और नवाचार की भावना को दिया। उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार आपदा प्रबंधन जैसी महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान करने के लिए उन्नत तकनीकों को अपनाने की निगम की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। टिहरी बांध के लिए हमारी डिजिटल आपदा प्रबंधन प्रणाली इस बात का उदाहरण है कि कैसे डिजिटल नवाचार, उन्नत पूर्वानुमान और प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों के साथ मिलकर जीवन और बुनियादी ढांचे की सुरक्षा की जा सकती है। हम सुरक्षा, स्थिरता और परिचालन उत्कृष्टता सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी प्रगति के मामले में सबसे आगे बने रहने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

टिहरी बांध के लिए 2016 में स्थापित डिजिटल आपदा प्रबंधन प्रणाली एक उन्नत इनफ्लो पूर्वानुमान प्रणाली को एकीकृत करती है। यह प्रणाली 6 घंटे और 24 घंटे के लीड समय पर अंतर्वाह और जलाशय के स्तर के बारे में अग्रिम जानकारी प्रदान करती है। यह प्रणाली टिहरी कैचमेंट क्षेत्र में स्थित 11 स्वचालित मौसम स्टेशन (AWS) और चार स्वचालित गेज एवं डिस्चार्ज (AG&D) स्टेशन से वास्तविक समय का डेटा प्रोसेस करती है। हाइब्रिड पूर्वानुमान मॉडल का उपयोग करके, जियोमॉर्फोलॉजिक इंस्टेंटेनियस यूनिट हाइड्रोग्राफ (GIUH) आधारित निर्धारक मॉडल को स्टोकेस्टिक ARMAX मॉडल के साथ जोड़ कर, टीएचडीसी ने बाढ़ जोखिम न्यूनीकरण और जल संसाधन प्रबंधन को काफी हद तक सुदृढ़ किया है।

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के निदेशक (कार्मिक), श्री शैलेंद्र सिंह ने इस अवॉर्ड के लिए टीएचडीसीआईएल परिवार को बधाई देते हुए कहा कि यह पुरस्कार नवाचार और सार्वजनिक सुरक्षा के प्रति निगम की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि टिहरी बांध के लिए हमारी इनफ्लो पूर्वानुमान प्रणाली और प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली यह दर्शाती है कि तकनीक कैसे जोखिमों को कम कर सकती है और लोगों की रक्षा कर सकती है। राष्ट्रीय स्तर पर इस उपलब्धि को प्राप्त करना टीएचडीसी के लिए गर्व की बात है, जहां हमें देश के कुछ सबसे प्रतिष्ठित विशेषज्ञों द्वारा कड़े मानकों पर परखा गया। यह उपलब्धि हमें अपनी डिजिटल क्षमताओं को और अधिक सशक्त बनाने और उत्कृष्टता व स्थिरता को केंद्र में रखते हुए राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित करती है।

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के निदेशक (तकनीकी), श्री भूपेंद्र गुप्ता ने आपदा प्रबंधन के लिए उन्नत डिजिटल समाधान विकसित करने और लागू करने में निगम की टीम के उत्कृष्ट प्रयासों की सराहना की। उन्होंने निचले क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और विशेष रूप से मॉनसून के दौरान जलाशय संचालन को अनुकूलित करने में निगम की पहलों के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने संगठन की डिजिटल क्षमताओं को बढ़ाने, आपदा प्रबंधन में सुदृढ़ता लाने और भारत के सतत विकास में योगदान देने की प्रतिबद्धता को दोहराया। यह उल्लेखनीय है कि 18 मार्च, 2025 को नई दिल्ली स्थित हयात रीजेंसी में ईटी गवर्नमेंट डिजिटेक अवॉर्ड 2025 प्रदान किए गए, जहां टीएचडीसी को डिजिटल डिजास्टर रेजिलिएंस और सार्वजनिक सुरक्षा में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

THDC has been conferred prestigious 'SDG Achievers Award - Corporates, 2023' for its exemplary CSR efforts in Water Conservation and Management

THDC has been conferred the prestigious 'SDG Achievers Award - Corporates, 2023' for its exemplary Corporate Social Responsibility (CSR) efforts in 'Water Conservation and Management.' The award was presented by Hon'ble Chief Minister of Uttarakhand, Sh. Pushkar Singh Dhami, at the CM Residence in Dehradun during an event organized by the Centre for Public Policy and Good Governance, Government of Uttarakhand, under the theme: "SDG-6, Clean Water and Sanitation. Hon'ble Chief Minister of Uttarakhand, Sh. Pushkar Singh Dhami, appreciated the efforts of all award winners for their outstanding contributions toward sustainable development and social responsibility. Sh. R. K. Vishnoi, Chairman and Managing Director THDCIL profusely expressed heartfelt gratitude to Hon'ble Chief Minister Sh. Pushkar Singh Dhami and the Government of Uttarakhand for consistently guiding and supporting THDCIL in all its endeavors . Sh. Vishnoi praised the team for their exceptional efforts in securing this prestigious honor and stated that this award is a testament to THDCIL's CSR initiatives and reflects the company's steadfast commitment to sustainable development and community upliftment. He highlighted that THDCIL's CSR initiatives in water conservation exemplify the integration of environmental stewardship with social progress, ensuring tangible and lasting benefits, particularly in Uttarakhand.

Sh. Vishnoi emphasized that THDCIL aligns its efforts with the United Nations' Sustainable Development Goals, particularly SDG-6, which focuses on clean water and sanitation. He affirmed THDCIL's commitment to developing scalable solutions to address pressing challenges such as water scarcity and climate change while fostering a sustainable ecosystem for present and future generations. Sh. Singh further added that, "We see this award as a stepping stone to further enhance our contributions to nation-building and environmental conservation."

Sh. Shallinder Singh, Director (Personnel), THDCIL, congratulated the entire THDCIL team for this achievement and highlighted that the award exemplifies THDCIL's integrated efforts in addressing various challenges in overall socio-economic development, particularly in Uttarakhand. He noted that through collective dedication, the team has turned challenges like water scarcity into opportunities for growth and resilience.

Sh. Singh added that this recognition underscores THDCIL's transformative initiatives in addressing water scarcity and promoting environmental sustainability in the rural villages of Tehri Garhwal. The jury and chief guest commended THDCIL for its impactful CSR projects, which have significantly improved water availability, easing the financial and physical burdens of local communities.

Through its CSR initiative "Water Conservation and Management," executed via SEWA-THDC, THDCIL has become a lifeline for water-scarce areas in the Tehri district. Notable achievements include the construction of 612 Household Roof Rainwater Harvesting Tanks (each with a 3,000-liter capacity) across Pratapnagar and Bhilangana Blocks. These efforts have alleviated water scarcity during lean seasons, promoting sustainability and resilience against climate change.

The initiative contributes to multiple Sustainable Development Goals, including SDG-6 (Clean Water and Sanitation), SDG-11 (Sustainable Cities and Communities), and SDG-13 (Climate Action), offering scalable solutions that serve as a model for other regions facing similar challenges.

THDCIL's commitment extends beyond water conservation. In healthcare, it operates an allopathic dispensary in Deengaon, Tehri, along with homeopathic dispensaries and medical camps in project-affected areas. In education, THDCIL runs schools for marginalized children and provides skill development programs, including training and scholarships. Women's empowerment initiatives include computer training, tailoring, beautician courses, and livelihood programs, while agricultural support includes distributing fruit saplings, vegetable seeds, constructing polyhouses, and offering training to farmers. Sh. Sandeep Kumar, CEO (TUECO), along with Sh. T. S. Negi, Manager,(TUECO) received the award on behalf of THDCIL.

THDC Hosts Marathon 4.0: A Unifying Event for Employees Across Project Sites and Offices

THDC India Limited remains steadfast in its commitment to the health and well-being of its employees. In alignment with this objective, the 10 KM Marathon 4.0 for THDCIL employees was successfully organized across all offices and project sites of the organization on 01st , 02nd and 08th March, 2025 .

Sh. R. K. Vishnoi, Chairman & Managing Director, extended his appreciation for the enthusiastic participation of employees and emphasized that a healthy workforce is essential for achieving professional excellence. The event witnessed overwhelming participation, further reinforcing THDCIL's dedication to fostering a culture of fitness and an active lifestyle. Highlighting the significance of such initiatives, Sh. Vishnoi stated that Marathon 4.0 serves as a means to encourage employees to incorporate fitness into their daily lives, thereby ensuring a balanced and healthy lifestyle.

At Corporate Office, Rishikesh, the 10 KM marathon was inaugurated by Sh. Shallinder Singh, Director (Personnel) and Sh. Bhupender Gupta, Director (Technical), THDCIL in the esteemed presence of Smt. Chanchal Vishnoi, Chief Patron, THDC Ladies Welfare Association and Smt. Manu Shikha Gupta, Patron, THDC Ladies Welfare Association.

Sh. Shallinder Singh, Director (Personnel), underscored the importance of physical fitness in both professional and personal life, emphasizing that a healthy workforce contributes to higher productivity and overall organizational success. THDCIL not only prioritizes professional growth but also actively encourages employees to embrace a healthy lifestyle. Events such as Marathon 4.0 reaffirm the organization's commitment to employee welfare and a dynamic work environment.

Sh. Bhupender Gupta, Director (Technical), highlighted the integral role of physical fitness in enhancing mental agility and work efficiency. He stated that Fitness is not merely about physical well-being; it is equally about mental resilience and overall wellness. Such initiatives not only boost individual health but also foster a sense of camaraderie and teamwork within the organization.

Beyond its remarkable achievements in the power sector, THDC India Limited remains dedicated to promoting employee welfare and fostering fitness awareness. Through various initiatives, including the annual marathon, the organization continues to emphasize the importance of work-life balance, physical activity, and holistic well-being.

Khurja

Pipalkoti

Amelia

Kaushambi

लोकः समस्ताः सुखिनो भवन्तु।

May everyone, in the whole world, be happy.

नैतिक सुशासन और जीवनशैली के रूप में सतर्कता को बढ़ावा देने हेतु कार्यशाला का आयोजन

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड पारदर्शिता, सत्यनिष्ठा और नैतिक सुशासन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर सदैव दृढ़ है। अपने निरंतर सतर्कता प्रयासों के अंतर्गत, कंपनी ने 25 से 27 मार्च, 2025 तक अल्लेप्पी, केरल में वार्षिक सतर्कता बैठक 2025 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री आर. के. विश्नोई ने कॉरपोरेट सुशासन और नैतिक व्यावसायिक प्रथाओं के प्रति कंपनी की अटूट प्रतिबद्धता को दोहराया, और इस बात पर बल दिया कि सतर्कता केवल एक नियामक अनिवार्यता नहीं, बल्कि संगठनात्मक उत्कृष्टता और राष्ट्र निर्माण का एक मूलभूत स्तंभ भी है।

टीएचडीसीआईएल का सतर्कता विभाग सक्रिय और दूरदर्शी संगठनात्मक दक्षता और सुशासन को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाता है। टीएचडीसी में हम मानते है कि सतर्कता केवल अनुपालन तक सीमित नहीं है; यह जवाबदेही और विश्वास की संस्कृति को बढ़ावा देने का माध्यम भी है। साथ ही, नैतिक सुशासन में हमारी पहल न केवल हमारे संचालन को मजबूत करती है, बल्कि भ्रष्टाचार मुक्त, पारदर्शी कॉर्पोरेट पारिस्थितिकी तंत्र के व्यापक दृष्टिकोण में भी योगदान देती है। नैतिक सुशासन एक स्थायी संगठन का आधार भी है। यह निष्पक्षता सुनिश्चित करता है, विश्वास का निर्माण करता है और हितधारकों के दीर्घकालिक हितों की रक्षा भी करता है। वार्षिक सतर्कता बैठक जैसे प्रशिक्षण कार्यक्रम कर्मचारियों को ज्ञान साझा करने, नैतिक शासन की गहरी समझ विकसित करने और उनके सतर्कता कौशल को बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करते हैं। यह बैठक हमें कार्यालय के नियमित काम से दूर रहकर और बिना किसी व्यवधान के साथ सीखने में एक अमूल्य अवसर प्रदान करती है। इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम केवल कार्यालय के वातावरण से दूर हमारी व्यावसायिक दक्षताओं को निखारने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि हमारे नैतिक दृष्टिकोण को आकार देने में भी सहायक हैं। वे हमें ईमानदार व्यक्तियों के रूप में विकसित करने में मदद करते हैं, हममें सत्यनिष्ठा, नैतिकता और जिम्मेदारी की गहरी भावना को स्थापित करते हैं।

श्री विश्नोई ने रेखांकित करते हुए कहा कि सतर्कता को संगठन के प्रत्येक स्तर में गहराई से समाहित किया जाना चाहिए। "सतर्कता केवल कुछ व्यक्तियों का दायित्व नहीं है; यह एक सामूहिक कर्तव्य भी है। प्रत्येक कर्मचारी, चाहे उसकी भूमिका या पदनाम कुछ भी हो, वह सत्यनिष्ठा का प्रतीक होना चाहिए। सक्रिय सतर्कता उपाय और एक मजबूत नैतिक ढांचा हमें एक ऐसा वातावरण निर्माण करने में मदद करेगा जहां पारदर्शिता, दक्षता और निष्पक्षता हमारे दैनिक कार्यों में अंतर्निहित होगी। इन मूल्यों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता न केवल टीएचडीसीआईएल को उत्कृष्टता की ओर ले जाएगी, बल्कि पूरे क्षेत्र को उच्चतम नैतिक मानकों के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित भी करेगी।"

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि, निदेशक (कार्मिक), श्री शैलेंद्र सिंह, साथ ही टीएचडीसीआईएल की मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ), सुश्री रश्मिता झा (आईआरएस) की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। निदेशक (कार्मिक), श्री शैलेंद्र सिंह ने सभी स्तरों पर सतर्कता को सुदृढ़ करने में क्षमता निर्माण और कर्मचारी संवेदनशीलता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि, "मजबूत नैतिक नींव दीर्घकालिक संगठनात्मक सफलता की ओर ले जाती है। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से, हम सुनिश्चित करते हैं कि हमारे कर्मचारी अपने पेशेवर आचरण के हर पहलू में सत्यनिष्ठा और निष्पक्षता के मूल्यों को बनाए रखने के लिए पूर्ण रूप से सक्षम हैं।"

सत्यनिष्ठा और निष्पक्ष व्यवहार केवल कॉर्पोरेट मूल्य नहीं हैं, बल्कि एक प्रगतिशील समाज के लिए आवश्यक आधारशिला हैं। जब एक संगठन पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ कार्य करता हैं, तो वे अधिक न्यायपूर्ण और समतापूर्ण आर्थिक प्रणाली में योगदान देते हैं, जिससे कर्मचारियों, व्यवसायों और आम जनता सहित सभी हितधारकों को लाभ मिलता है।

इस तरह के संवादात्मक सत्र कर्मचारियों को सतर्कता प्रथाओं, नैतिक सुशासन और अनुपालन रूपरेखा की गहरी समझ विकसित करने में सहायक होते हैं। वार्षिक सतर्कता बैठक 2025 के माध्यम से, टीएचडीसीआईएल ने संगठन और राष्ट्र के सतत विकास को सुनिश्चित करते हुए, नैतिक नेतृत्व और सक्रिय सतर्कता उपायों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः स्थापित किया है। सतर्कता को हमारे कार्यालय के कामकाज में केवल एक अनुपालन तंत्र के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि हमें इसे अपनी दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों में एक आदत के रूप में समाहित करना चाहिए और साथ ही इसे जीवन शैली का एक हिस्सा बनाना चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हमारा राष्ट्र, हमारा संगठन, हमारा समाज और हम स्वयं नैतिक और सतत विकास की मजबूत नींव पर रखे गए मार्ग पर आगे बढ़ें।

सभा को संबोधित करते हुए, श्री सिंह ने महत्वपूर्ण और सार्थक संस्कृत श्लोक, "धर्मो रक्षति रक्षितः" (जब हम धर्म की रक्षा करते हैं, तो धर्म हमारी भी रक्षा करता है) के साथ समापन किया, जिसमें यह बल दिया गया कि सत्यनिष्ठा और नैतिक सुशासन एक मजबूत और स्थायी संगठन के आधार हैं। कार्यक्रम में संगठन से लगभग 25 सतर्कता अधिकारियों ने भाग लिया, जिन्होंने निवारक सतर्कता, कॉर्पोरेट नैतिकता और सुशासन की सर्वोत्तम प्रथाओं पर ज्ञानवर्धक सत्रों में भाग लिया।

टीएचडीसी ने उत्तराखंड में ज़रूरतमंद लोगों के लिए मुहैया कराई अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधा

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड राष्ट्र को 24x7 किफायती, विश्वसनीय और सतत विद्युत उपलब्ध कराने के साथ-साथ अपने सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को कायम रखते हुए, विशेष रूप से उत्तराखंड के दूरदराज और पहाड़ी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा की पहुंच को बढ़ाने के लिए भी प्रयासरत है | टीएचडीसीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री आर. के. विश्नोई ने अवगत कराया कि कंपनी ने विवेकानंद नेत्रालय, देहरादून में अत्याधुनिक सर्जिकल माइक्रोस्कोप ज़ीस एक्सटैरो 300 (ZEISS EXTARO 300) प्रणाली की स्थापना की सुविधा प्रदान की । यह सर्जिकल माइक्रोस्कोप चिकित्सा गुणवत्ता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगा और विशेष रूप से वंचित क्षेत्रों के व्यक्तियों के रोग ग्रस्त होने पर रोगी को मिलने वाले लाभों में सुधार करेगा ।

श्री विश्नोई ने दुर्गम एवं अभावग्रस्त क्षेत्रों में उन्नत स्वास्थ्य सुविधाओं की तत्काल आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि टीएचडीसीआईएल में, हम मानते हैं कि अच्छा स्वास्थ्य मानव आकांक्षाओं का मूलभूत आधार है। इस पहल के अलावा, टीएचडीसी की 'टीएचडीसी निरामया' में कई प्रभावशाली स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम शामिल हैं, जिनमें एलोपैथिक और होम्योपैथिक औषधालयों का संचालन, स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, टेलीमेडिसिन सेवाओं में प्रदान किये जाने वाला सहयोग तथा स्वास्थ्य संस्थानों को महत्वपूर्ण चिकित्सा उपकरण प्रदान करना शामिल है।

टीएचडीसीआईएल के निदेशक (कार्मिक), श्री शैलेन्द्र सिंह ने देहरादून के विवेकानंद नेत्रालय में ज़ीस एक्सटैरो 300 (ZEISS EXTARO 300) प्रणाली का उद्घाटन किया और विशेष रूप से उत्तराखंड राज्य में चिकित्सा के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि "टीएचडीसीआईएल वंचित समुदायों तक उन्नत स्वास्थ्य सेवा समाधान पहुंचाने पर केंद्रित है। विवेकानंद अस्पताल के साथ टीएचडीसीआईएल का सहयोग चिकित्सा नवाचारों के माध्यम से समाज को सशक्त बनाने के टीएचडीसीआईएल के मिशन के अनुरूप है। यह नवीनतम योगदान ज़ीस माइक्रोस्कोप मॉडल ओपीएमआई लुमेरा 700 के लिए हमारी पूर्व में दी गई सहायता पर आधारित है, जिसके फलस्वरूप चिकित्सालय में नेत्र चिकित्सा सेवाओं में प्रभावी बदलाव आया है। श्री सिंह ने कहा कि टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड समुदायों के उत्थान के लिए अपने संसाधनों से जनसमुदाय को लाभांवित करने और विशेष रूप से उत्तराखंड के दूरदराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा पहुंच पर सार्थक प्रभाव डालने के लिए समर्पित है। कंपनी ने निरंतर अभाव ग्रस्त क्षेत्रों में आवश्यक चिकित्सा उपकरण और सेवाएं प्रदान करके राज्य के स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को सहयोग प्रदान किया है। ये प्रयास विशेष रूप से पहाड़ी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण हैं, जहां भौगोलिक बाधाएं अक्सर गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा उपचार तक पहुंच को सीमित करती हैं। इस अवसर पर स्वामी असीमात्मानन्द जी, टीएचडीसी से महाप्रबंधक (सामाजिक एवं पर्यावरण) श्री अमरदीप, अपर महाप्रबंधक (सामाजिक एवं पर्यावरण), श्री एच. के. जिंदल और टीएचडीसीआईएल के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थित रही, जिससे परिवर्तनकारी स्वास्थ्य सेवा पहलों के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता की पुष्टि होती है।

वीपीएचईपी द्वारा महिलाओं के लिए बुनाई प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना

वीपीएचईपी, परियोजना प्रभावित ग्राम सभाओं में आजीविका संवर्धन को बढ़ावा देने हेतु निरंतर प्रयासरत है। इसी क्रम में दसवाना गांव में महिला सशक्तिकरण एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए एक बुनाई प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना की गई। इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को कौशल विकास के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाना है। इस प्रशिक्षण केंद्र के माध्यम से 15 से अधिक महिलाओं को बुनाई का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे वे इस कौशल का उपयोग कर आजीविका के नए अवसर प्राप्त कर सकेंगी। इस कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर महिलाओं को बुनाई की तकनीकों में निपुण बनाएंगे, जिससे वे भविष्य में आत्मनिर्भर बन सकें। इस अवसर पर वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, डॉ. निकिता शर्मा, फील्ड अधिकारी (सामाजिक), सुश्री अभिजिता साहू, सामाजिक कार्यकर्ता, श्रीमती नीलम और श्रीमती रामेश्वरी हटवाल भी उपस्थित रहीं।

टीएचडीसी, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी लिमिटेड व छत्तीसगढ़ सरकार के मध्य राज्य में 1400 MW पंप स्टोरेज परियोजना के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

टीएचडीसी ने छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी लिमिटेड (सीएसपीजीसीएल) एवं छत्तीसगढ़ सरकार के साथ जशपुर जिले के डांगरी में 1400 मेगावाट पंप स्टोरेज आधारित हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर 10 मार्च, 2025 को हस्ताक्षर किए । इस समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान रायपुर के होटल कोर्टयार्ड बाय मैरियट में छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री, श्री विष्णु देव साई जी और श्री अमिताभ जैन, मुख्य सचिव, छत्तीसगढ़ की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।
टीएचडीसीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री आर. के. विश्नोई ने कहा कि टीएचडीसीआईएल देश को स्वच्छ, किफायती और सतत ऊर्जा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने इस बात को रेखांकित करते हुए कहा कि पंप स्टोरेज परियोजनाएं नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन को संतुलित करने, ग्रिड स्थिरता सुनिश्चित करने और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। यह रणनीतिक साझेदारी राज्य में नवीकरणीय ऊर्जा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, ग्रिड स्थिरता में सुधार के साथ ही भारत की स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।
श्री विश्नोई ने आगे कहा कि डांगरी पीएसपी रोजगार के विभिन्न अवसर प्रदान करेगा और इस कारण उस क्षेत्र में सकारात्मक सामाजिक-आर्थिक प्रभाव निर्माण होगा। यह परियोजना टीएचडीसीआईएल के नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो का विस्तार करने और भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के दृष्टिकोण का एक प्रमाण है। विद्युत उत्पादन में विविध पोर्टफोलियो के साथ, हम टिकाऊ, लागत प्रभावी बिजली समाधान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। डांगरी पीएसपी एक हरित कल के लिए, स्वच्छ ऊर्जा पहलों को आगे बढ़ाने के हमारे दृष्टिकोण का प्रमाण है।
छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से श्री सुबोध कुमार सिंह, मुख्य सचिव, ऊर्जा विभाग ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी लिमिटेड (सीएसपीजीसीएल) की ओर से श्री संजीव कुमार कात्यार, प्रबंध निदेशक और टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की ओर से श्री भूपेंद्र गुप्ता, निदेशक (तकनीकी) ने इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
टीएचडीसीआईएल के निदेशक (तकनीकी), श्री भूपेंद्र गुप्ता ने बताया कि टीएचडीसीआईएल देश भर में पंप स्टोरेज परियोजनाओं (पीएसपी) का सक्रिय रूप से विकास कर रहा है और यह परियोजना स्थायी ऊर्जा भविष्य की दिशा में इसकी यात्रा में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। पंप स्टोरेज तकनीक ऊर्जा भंडारण और बिजली मांग प्रबंधन के लिए एक महत्वपूर्ण समाधान है। डांगरी पीएसपी ऑफ-पीक घंटों के दौरान अधिशेष बिजली का उपयोग करके पानी को पंप करने और शीर्ष मांग के दौरान बिजली निर्माण करने के लिए उपयोग करेगा, जिससे ऊर्जा का कुशल उपयोग सुनिश्चित होगा। टीएचडीसीआईएल उच्चतम इंजीनियरिंग उत्कृष्टता और स्टेट-ऑफ-द-आर्ट तकनीकों के साथ परियोजना को निष्पादित करने के लिए हर समय प्रतिबद्ध है।
समझौता ज्ञापन (एमओयू) आदान-प्रदान के दौरान छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से श्री सुबोध कुमार सिंह, मुख्य सचिव और सचिव (ऊर्जा); श्री मुकेश कुमार बंसल, मुख्यमंत्री के सचिव (वित्त); श्री पी दयानंद, मुख्यमंत्री के सचिव और श्री रजत कुमार, सचिव (वाणिज्य और उद्योग) उपस्थित थे। इसके अलावा श्री एस.के. मिश्रा, क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक, एनटीपीसी भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। साथ ही टीएचडीसीआईएल से श्री नीरज वर्मा, मुख्य महाप्रबंधक-प्रभारी (एनसीआर), और श्री संजीव कुमार मित्तल, सहायक महाप्रबंधक (पीएसपी-सोलर) भी उपस्थित रहे।

THDC organized special one-day outbound activity for its Women employees on the occasion of International Women's Day

THDC India Limited reaffirmed its commitment to women's empowerment by organizing a special one-day outbound activity for its women employees at the Corporate Office in Rishikesh on 06th March, 2025. Sh. R. K. Vishnoi, Chairman and Managing Director emphasized the organization's dedication to ensuring equal opportunities and representation for women. Sh. Vishnoi stated that Women are the backbone of society, and their contributions are integral to the progress of any organization and nation. At THDC, we continue to foster an environment that encourages women's leadership and professional growth. We firmly believe that empowering women is not just about ensuring equality but about creating a stronger and more progressive society. Women today are excelling in every domain, from leadership roles to technical expertise, and their invaluable contributions are shaping a brighter future for all.

This celebration was conducted in line with the theme of International Women's Day 2025—"Accelerate Action", which underscores the need to take proactive steps toward gender equality and fostering an inclusive work environment. Empowering women means empowering families, organizations, and ultimately, the nation. At THDC, we are committed to providing our women employees with opportunities to grow, lead, and thrive in their professional journeys. The dedicated efforts and unwavering commitment of our women workforce have been instrumental in the success and growth of THDCIL.

THDC had lined up series of events on the occasion International Women's Day. Celebration commenced with the auspicious lighting of the ceremonial lamp at Aradhna Sthal, THDC Colony, Rishikesh, by Smt. Chanchal Vishnoi, Chief Patron, THDC Ladies Welfare Association. She congratulated all women employees and acknowledged their invaluable contributions to the organization. She remarked that women have always played a crucial role in shaping societies and institutions. At THDC, our women employees are not just participants in our journey of success; they are the very pillars that uphold our achievements.

Sh. Shallinder Singh, Director (Personnel), THDC, also highlighted the significance of accelerating action toward fostering gender parity. Sh. Singh remarked that Women's empowerment is not just a vision but a responsibility in which by empowering one woman we empower and strengthen not only one family, but entire society. By celebrating Women's Day with enthusiasm and engaging our women employees in meaningful activities, we reinforce our commitment to fostering an inclusive and supportive work culture. The theme 'Accelerate Action' inspires us to take concrete steps in this direction.

He further emphasized the remarkable progress women are making in all spheres of life, proving themselves to be equally competent as their male counterparts. At THDC, we strongly believe by providing equal opportunities for our women employees it also showcases our commitment to balanced corporate governance. During the outbound program, various activities were organized to inspire and empower women employees. These activities focused on motivation, self-reliance, awareness of rights, and leadership, reinforcing the importance of women's independence and their significant role in the workplace and society.

THDC organized one-day Engagement Activity for Contractual employees on the cccasion of International Women’s Day 2025

THDC India Limited organized series of events on the occasion of International Women’s Day. On 07th March, 2025 a one-day engagement activity for all the contractual employees at Corporate Office was organized at Rasmanjari Hall, Rishikesh.
Sh. R. K. Vishnoi, Chairman and Managing Director extended his best wishes on celebrations leading to International Women’s Day and emphasized the significance of gender equality in professional sphere. He highlighted the crucial role of women in nation-building and encouraged continuous efforts toward their empowerment.
Highlighting their growing presence across various fields, from leadership to technical domains, Sh. Vishnoi stressed that empowering women is not just about fairness but about driving progress. By supporting women’s leadership and professional advancement, THDC India Limited remains dedicated to providing equal opportunities, reflecting its commitment to balanced corporate governance
Sh. Shallinder Singh, Director (Personnel), inaugurated the event, underscoring the significance of Gender equality and Women’s Empowerment. Sh. Singh emphasized THDC India Limited’s commitment to creating an equitable workplace. He highlighted the significance of women’s participation in leadership roles and encouraged initiatives that support their growth and development within the organization.
Sh. Singh also underscored the need for accelerating efforts toward gender equality. By celebrating Women's day with enthusiasm and engaging women employees in meaningful activities, THDC India Limited reaffirms its commitment to fostering an inclusive and supportive work culture. The theme ‘Accelerate Action’ serves as a reminder to take concrete steps toward this goal. He wholeheartedly appreciated the active participation and invaluable contributions of the women workforce during the event. Sh. Veer Singh, Executive Director, warmly welcomed Sh. Shallinder Singh, Director (Personnel).

खुर्जा परियोजना में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धियों के सम्मान में मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना, उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा समानता को बढ़ावा देना है। खुर्जा परियोजना में भी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें परियोजना में कार्यरत सभी महिला कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री कुमार शरद (कार्यपालक निदेशक) ने परियोजना के विकास में महिला कर्मचारियों के योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने महिला कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित भी किया। इस अवसर पर मौजूद सभी महिला अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी अपनी बात रखी।

लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन 'तेजस्विनी' द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन

लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन, ऋषिकेश 'तेजस्विनी' द्वारा 05 मार्च, 2025 को मुख्य संरक्षिका श्रीमती चंचल विश्नोई व संरक्षिका श्रीमती मनु शिखा गुप्ता की उपस्थिति में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत तेजस्विनी गीत के साथ की गई। इस दौरान अनेक गतिविधियों का आयोजन किया गया जिसमें सभी ने बहुत उत्साह के साथ भाग लिया। मार्च माह में जन्मे सदस्यों का जन्मदिन भी खूब हर्षोल्लास से मनाया गया। रंगों के इस त्यौहार का सभी ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर मस्ती भरे गीतों पर झूमते हुए आनंद उठाया।

लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन 'तेजस्विनी' द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन

लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन, ऋषिकेश 'तेजस्विनी' द्वारा 28 मार्च, 2025 को क्लब की मुख्य संरक्षिका श्रीमती चंचल विश्नोई व संरक्षिका श्रीमती पूजा गर्ग की उपस्थिति में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। इस दौरान टैलेंट शो व प्रश्न-उत्तर राउंड का आयोजन भी किया गया। उक्त कार्यक्रम में आए छोटे बच्चों ने अपनी प्रस्तुति से सबका मन मोह लिया।

लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन 'तेजस्विनी' द्वारा चैत्र नवरात्र के अवसर पर भजन-कीर्तन का आयोजन

टीएचडीसी लेडीज़ वेलफ़ेयर एसोसिएशन ने क्लब की मुख्य संरक्षिका, श्रीमती चंचल विश्नोई व संरक्षिका श्रीमती पूजा गर्ग की अध्यक्षता में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी चैत्र नवरात्र के पहले दिन मातारानी के भजन कीर्तन का आयोजन किया और पूजा-अर्चना की। इस आयोजन में सम्मिलित होकर एसोसिएशन की सभी सदस्याओं ने माता रानी का आशीर्वाद लिया।

खुर्जा परियोजना में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई होली

खुर्जा सुपर थर्मल विद्युत परियोजना में पूरे उत्साह और उमंग के साथ होली के त्योहार को मनाया गया। परियोजना में उपस्थित सभी अधिकारियों/कर्मचारियों एवं उनके परिजनों ने होली मिलन कार्यक्रम में भाग लिया। सभी ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर खुशियों का इजहार किया। इस अवसर पर परियोजना प्रमुख, श्री कुमार शरद ने होली के त्योहार के महत्व पर प्रकाश डाला और सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिवार के सदस्यों को होली की शुभकामनाएं दी।

खुर्जा परियोजना प्रभावित गांवों में टीबी उन्मूलन के विषय में फैलाई गई जागरूकता

खुर्जा परियोजना प्रभावित गांवों (रूकनपुर एवं नगलाकट) में 06 मार्च, 2025 को क्षय रोग (TB) उन्मूलन विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उपस्थित ग्रामीणों को क्षय रोग (TB) फैलने के तरीके, इसके लक्षण, बचाव, उपचार एवं सरकार के द्वारा टीबी उन्मूलन के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर विस्तृत जानकारी दी गई। ग्रामीणों को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत उपलब्ध मुफ्त जांच और उपचार सुविधाओं के बारे में भी बताया गया। कार्यक्रम के अंत में, एक प्रश्न-उत्तर सत्र भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम को सुचारु रूप से संपन्न करने में जनसंपर्क विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं सीएसआर विभाग की प्रमुख भूमिका रही।

KSTPP Unit-2 successfully achieved the Turbine Barring Gear operation

THDCIL achieved another significant milestone for the Khurja Super Thermal Power Project (2x660 MW), as Unit #2 successfully achieved the Turbine Barring Gear (TG) operation on 25th March 2025. Chairman and Managing Director, Sh. R. K. Vishnoi stated that the completion of this critical installation underscores the Khurja project team's commitment to achieving high standards of technical excellence while adhering to project deadlines. THDCIL has a diversified portfolio encompassing Hydro, Thermal, Wind, and Solar energy projects, reinforcing its role in India's energy transition. He further emphasized that the Khurja Super Thermal Power Project underscores the significance of Reliable Power generation with adhereance to State-of-Art environmental norms contributing to the nation's growing energy demands while maintaining high operational standards.

This milestone is a testament to the steady progress of the project and its adherence to planned timelines. With the successful installation of the Turbine Barring Gear, the next major milestone is the Boiler Light-Up for Unit #2, which will initiate the steam generation process.

Sh. Bhupender Gupta, Director (Technical), THDCIL congratulated Team KSTPP on this significant achievement and emphasized that the Turbine Barring Gear is a crucial activity in the process of commissioning a thermal power plant and it ensures the safe operation of the turbine during startup, shutdown, and idle periods by preventing thermal stresses and mitigating potential mechanical issues. This mechanism plays a vital role in maintaining the turbine in optimal condition, ensuring efficient future operations.

This success is the result of meticulous planning, teamwork, and close coordination among THDCIL, NTPC BHEL, and other key stakeholders, ensuring the seamless progression and commissioning of Unit#2. The occasion was graced by the presence of senior officials, including Sh. Kumar Sharad, Executive Director (Project); Sh. B.K. Sahoo, GM (O&M); Sh. Sandeep Bhatnagar, GM (Finance); Sh. R.M. Dubey, GM (Electrical); Sh. Mukul Sharma, AGM (TG); and other esteemed representatives from THDCIL, NTPC and BHEL.

खुर्जा कार्यालय में हिंदी कार्यशाला संपन्न

केएसटीपीपी-खुर्जा कार्यालय में 24 मार्च, 2025 को वर्ष- 2025 की प्रथम हिंदी कार्यशाला संपन्न हुई। इस अवसर पर श्री दिलीप कुमार द्विवेदी, राजभाषा अधिकारी, खुर्जा कार्यालय एवं विभागाध्यक्ष- मानव संसाधन ने आमंत्रित वक्ता श्री प्रेम सिंह, पूर्व संयुक्त निदेशक (राजभाषा विभाग) को पौधा भेंट कर सम्मानित किया। कार्यशाला को दो सत्रों में संचालित किया गया। प्रथम सत्र में पारिभाषिक शब्दावली ज्ञान तथा द्वितीय सत्र में पत्राचार के प्रकार व टिप्पण-आलेखन की विस्तृत जानकारी दी गई। उक्त कार्यशाला में टीएचडीसी-खुर्जा कार्यालय के कुल 24 अधिकारी/कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया और कार्यशाला की विषय-वस्तु में रुचि लेते हुए महत्वपूर्ण जानकारियों से स्वयं को लाभान्वित किया। श्री दिलीप कुमार द्विवेदी, राजभाषा अधिकारी, खुर्जा कार्यालय ने कार्यशाला की उपयोगिता पर बल देते हुए उपस्थित प्रतिभागियों को अधिक से अधिक हिंदी में काम-काज करने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित किया। श्री यशवंत सिंह नेगी, कनिष्ठ अधिकारी (हिंदी) ने कार्यशाला का संचालन किया। कार्यशाला को संपन्न करते हुए श्री नेगी ने आमंत्रित वक्ता, श्री प्रेम सिंह जी का आभार व्यक्त किया और कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सभी से हिंदी में अधिकतर काम-काज करने का आग्रह किया।

Volleyball match organized at VPHEP

As part of the CISF Security Week celebrations, a Volleyball Match was played between THDC and CISF at the Sanjeevini Club Ground, VPHEP, Pipalkoti. The tournament, played in a best-of-three format and saw an exciting contest where the CISF team emerged victorious by 2-1. The event underscored the importance of sports in fostering teamwork, mutual respect, and camaraderie between security personnel and project management. Beyond competition, such initiatives enhance coordination and cooperation, which are crucial for smooth project operations and security management. Additionally, participation in sports contributes to physical fitness, stress relief, and a healthy work environment for all employees. The match witnessed enthusiastic participation and encouragement from senior officials. Among those present were Sh. J.S. Bisht, GM (Mechanical, S&E), Sh. S.P. Dobhal, AGM (Power House), Sh. Anil Bhatt, DGM (TBM), Sh. V.D. Bhatt, Sr. Manager (I/c HR&A), Sh. Vishwanath Avuti, Dy. Commandant (CISF), and Sh. Y.S. Chauhan, Manager (PR).

54वें राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के अवसर पर वीपीएचईपी में सुरक्षा सप्ताह का आयोजन

54वें राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के अवसर पर वीपीएचईपी में सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया गया। श्री अजय वर्मा, परियोजना प्रमुख (वीपीएचईपी) ने सुरक्षा ध्वज फहराया और वीपीएचईपी इकाई के सभी कर्मचारियों को सुरक्षा शपथ दिलाई। इस अवसर पर श्री वर्मा ने कार्यस्थल पर सुरक्षा के महत्व को रेखांकित किया और सभी कर्मचारियों से अपनी दैनिक गतिविधियों में सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आग्रह किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि कोई भी सुरक्षा संबंधी चिंता सामने आती है, तो उसे तुरंत संबंधित अधिकारियों या विभाग को सूचित किया जाना चाहिए। परियोजना प्रमुख के रूप में उन्होंने सभी कर्मचारियों के लिए एक सुरक्षित और संरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करने की टीएचडीसीआईएल की अटूट प्रतिबद्धता को दोहराया।

श्री एस.के. भटनागर, वरिष्ठ सुरक्षा सलाहकार और इस कार्यक्रम के विशेष अतिथि ने राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के उद्देश्य, महत्व और इसके इतिहास पर प्रकाश डाला। उन्होंने औद्योगिक कार्यस्थलों में एक मजबूत सुरक्षा संस्कृति विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया ताकि दुर्घटनाओं को रोका जा सके और कर्मचारियों का कल्याण सुनिश्चित किया जा सके।

सुरक्षा सप्ताह 04 मार्च से 10 मार्च 2025 तक मनाया गया। इस दौरान, वीपीएचईपी की सुरक्षा विभाग द्वारा अग्नि सुरक्षा और आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। साथ ही, नारा लेखन और पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया।

वीपीएचईपी में सीआईएसएफ सुरक्षा सप्ताह के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन

वीपीएचईपी की सीआईएसएफ इकाई ने वीपीएचईपी औषधालय और जिला अस्पताल, गोपेश्वर के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया। यह आयोजन सीआईएसएफ सुरक्षा सप्ताह (3 मार्च - 10 मार्च 2025) के अवसर पर किया गया, जिसका उद्देश्य रक्तदान जैसी पुनीत पहल को बढ़ावा देना और आपात स्थितियों में जरूरतमंदों की सहायता करना था। शिविर का उद्घाटन श्री अजय वर्मा, परियोजना प्रमुख (वीपीएचईपी) एवं श्री विश्वनाथ अवुति, उप कमांडेंट, सीआईएसएफ द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्री जे.एस. बिष्ट, महाप्रबंधक (मैकेनिकल, एस एंड ई), श्री वी.डी. भट्ट, वरिष्ठ प्रबंधक (आई/सी मानव संसाधन एवं प्रशासन), डॉ. निकिता शर्मा, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (वीपीएचईपी) एवं डॉ. पवन पाल, चिकित्सा अधिकारी, जिला अस्पताल, गोपेश्वर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्री अजय वर्मा, परियोजना प्रमुख (वीपीएचईपी) ने इस पहल की सराहना की और रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे जीवनदायिनी सेवा बताया। श्री विश्वनाथ अवुति, उप कमांडेंट, सीआईएसएफ, ने भी सीआईएसएफ कर्मियों और टीएचडीसी कर्मचारियों की उत्साहजनक भागीदारी की सराहना की। रक्तदान शिविर में 25 यूनिट रक्त एकत्र किया गया, जिसे स्थानीय अस्पतालों में जरूरतमंद मरीजों की सहायता के लिए उपयोग किया जाएगा।

वीपीएचईपी इकाई में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया सीआईएसएफ का स्थापना दिवस

वीपीएचईपी की सुरक्षा में तैनात सीआईएसएफ इकाई ने अपना 59वां स्थापना दिवस उत्साह के साथ सीआईएसएफ कैंप, पीपलकोटी में मनाया। इस अवसर पर श्री जे.एस. बिष्ट, महाप्रबंधक (यांत्रिक, सामाजिक एवं पर्यावरण), वीपीएचईपी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत सीआईएसएफ जवानों द्वारा प्रस्तुत गार्ड ऑफ ऑनर के साथ हुई। श्री विश्वनाथ अवूटी, उप कमान्डेंट, सीआईएसएफ ने स्वागत भाषण दिया, जिसमें उन्होंने सीआईएसएफ स्थापना दिवस के महत्व और राष्ट्र के प्रमुख औद्योगिक, आर्थिक एवं रणनीतिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा में सीआईएसएफ की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि सीआईएसएफ एक बहुआयामी बल के रूप में विकसित हुआ है, जो बंदरगाहों, हवाई अड्डों और मेट्रो सहित महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा सुनिश्चित करता है और प्रतिदिन लगभग एक करोड़ लोगों की सुरक्षित आवाजाही में योगदान देता है। अपने संबोधन में श्री जे.एस. बिष्ट ने सीआईएसएफ जवानों और उनके परिवारों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सीआईएसएफ के अटूट समर्पण, अनुशासन और निष्ठा की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सतर्कता और प्रतिबद्धता से ही देश औद्योगिक विकास के क्षेत्र में सुरक्षित रूप से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने राष्ट्र की सुरक्षा में सीआईएसएफ के अमूल्य योगदान को रेखांकित किया और उनके कठिन परिश्रम और बलिदान की सराहना की।

कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि द्वारा नव विकसित परिसर में वृक्षारोपण किया गया, जिससे पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को बल मिला। इसके पश्चात सीआईएसएफ कैंप में 'बड़ा खाना' (सामूहिक भोज) का आयोजन किया गया, जिससे आपसी सौहार्द और एकता को प्रोत्साहन मिला।

वीपीएचईपी औषधालय में ईएनटी शिविर का आयोजन

वीपीएचईपी परियोजना औषधालय में 09 मार्च, 2025 को कर्मचारियों के लिए एक ईएनटी शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्घाटन श्री जे.एस. बिष्ट (महाप्रबंधक, यांत्रिक, सामाजिक एवं पर्यावरण) एवं श्री के.पी. सिंह (महाप्रबंधक, टीबीएम) ने ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. दिगपाल पंवार के साथ किया। इस अवसर श्री जे.एस. बिष्ट ने संपूर्ण स्वास्थ्य बनाए रखने और कार्यस्थल की उत्पादकता बढ़ाने के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने टीएचडीसीआईएल द्वारा कर्मचारियों के स्वास्थ्य और कल्याण के प्रति की जा रही प्रतिबद्धता को उजागर किया, जिसमें इस प्रकार की चिकित्सा पहलों का आयोजन शामिल है।

श्री के.पी. सिंह ने भी कर्मचारियों की स्वास्थ्य सुरक्षा पर कंपनी के ध्यान को दोहराया। उन्होंने कहा कि रोकथाम आधारित स्वास्थ्य उपायों, जिनमें इस तरह के विशेष शिविर शामिल हैं, से बीमारियों की शीघ्र पहचान और प्रभावी प्रबंधन संभव हो पाता है। उन्होंने कर्मचारियों को इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। इस आयोजन में कई वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति रही, जिनमें श्री एस.पी. डोभाल (वरिष्ठ महाप्रबंधक, पावर हाउस), श्री. वी.डी. भट्ट (वरिष्ठ प्रबंधक, प्रभारी मा.सं. एवं प्रशा.), श्री आर.एस. मखलोगा (उप महाप्रबंधक, एचएम), श्री दिनेश असवाल (उप महाप्रबंधक, टीबीएम), श्री अनिल भट्ट (उप महाप्रबंधक, टीबीएम), श्री वाई.एस. चौहान (प्रबंधक, जनसंपर्क) और डॉ. निकिता शर्मा (वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, वीपीएचईपी) शामिल थे। शिविर के दौरान, डॉ. दिगपाल पंवार ने कर्मचारियों की चिकित्सा जांच की और ईएनटी स्वास्थ्य संबंधी परामर्श प्रदान किया। कर्मचारियों ने विशेषज्ञ मार्गदर्शन और जांच सेवाओं का लाभ उठाया, जिससे बीमारियों की शीघ्र पहचान और उपचार सुनिश्चित हुआ।

खुर्जा परियोजना में राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह का आयोजन

खुर्जा परियोजना में 4 से 10 मार्च 2025 तक 54वें राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया गया। श्री कुमार शरद, कार्यपालक निदेशक (परियोजना) ने 04 मार्च, 2025 को ध्वजारोहण कर राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सुरक्षा शपथ दिलाई गई। सभी अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए निबंध एवं नारा प्रतियोगिता आयोजित की गई। अग्नि दुर्घटना के खतरों एवं इससे बचाव के उपाय पर एक कार्यशाला भी आयोजित की गई।

11 मार्च 2025 को पुरस्कार वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। इस अवसर पर श्री कुमार शरद (कार्यपालक निदेशक) ने कहा कि सुरक्षा सप्ताह को आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य परियोजना कार्यस्थल पर दुर्घटनाओं की संख्या को कम करना एवं सुरक्षा मानकों के प्रति जागरुकता फैलाना है। सुरक्षा सप्ताह को सफलतापूर्वक आयोजित करने में श्री विजय सिंह बिष्ट, अपर महाप्रबंधक (सुरक्षा), श्री यशवंत सिंह नेगी, उप प्रबंधक (सुरक्षा), श्री एच.एस. चौहान, अभियंता (सुरक्षा) की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

HRD CORNER

WORKSHOP ON INTERMEDIATE & ADVANCED LEVEL EXCEL

A 03- days workshop on Intermediate & Advanced Level Excel was conducted from 10th to 12th March, 2025 at Takshshila Sustainable Livelihood & Community Development Centre, HRD Campus, Rishikesh for Executives in Finance & HR discipline. The objective of the program was to make the participants aware and also to equip them with the functionalities of Excel such as Formula Functions, data validation tools, Pivot Table, Power Query, Startup Magic & Ribbon Customisation etc. The program aimed to enable the participants to help them in data driven decision making and also to effectively present data. The workshop was attended by 27 participants who found the workshop to be extremely useful and relevant to their work scenario.

CAPABILITY BUILDING PROGRAM FOR EXECUTIVES ASPIRING FOR LEADERSHIP ROLES

A 02-Day capability development program was conducted for 29 Nos. Executives in E7 grade aspiring for Leadership Roles. The program was held on 06th & 07th March,2025 at Takshshila Sustainable Livelihood & Community Development Centre, HRD Campus, Rishikesh. The objective of the program was to enhance the capabilities of executives who aspire to take on leadership roles and prepare them for higher responsibilities .The program aimed to develop leadership skills, attitudes and outlooks to foster holistic development and improve collaboration and results. The 02-day program included topics such as overview of power sector, challenges and opportunities for THDCIL in the emerging energy scenario, salient features of financial statements & balance sheet, leadership development, and managing workplace diversity.

INTERNAL AUDITOR TRAINING PROGRAM ON IMS SYSTEM- " ISO 9001 :2015. ISO 14..1:2015 & ISO 45001:2018

A 03-Day Internal Auditor Training program On IMS System- " ISO 9001 :2015. ISO 14001:2015 & ISO 45001:2018 through QIS Management Consultants, Bangalore was held from 03rd to 05th March, 2025 at Takshshila Sustainable Livelihood & Community Development Centre, HRD Campus, Rishikesh. The objective of the program was acquaint the participants with understanding the requirement and principles of ISO framework and assessment process required for Internal Auditors including effective implementation of ISO Management system.39 Nos. participants from across locations of THDCIL attended the program.

54th National Safety Day was organized at NCR office, Kaushambi on 10th March 2025. During the occasion CGM (Incharge), Sh. Neeraj Verma addressed the employees and administered safety pledge.

AWARENESS TRAINING PROGRAM ON ANTI BRBERY MANAGEMENT SYSTEM

An awareness program on Anti Bribery Management System (ABMS) was organized from 03rd to 06th March, 2025 for Executives & Non Executives (including Supervisor & Workmen) from across all locations of THDCIL. The program was conducted through online mode as well for participants from outside Rishikesh. The objective of the program was to familiarize the employees with ABMS policies, procedures and ensure compliance with International Anti Bribery Standards (ISO 37001).

VISION WORKSHOP - CORPORATE PLAN AND STRATEGY 2040

A Vision Workshop for preparation of Corporate Plan and Strategy 2040 was organized for all HoDs on 21st March, 2025 at Takshshila Sustainable Livelihood & Community Development Centre, HRD Campus, Rishikesh. The workshop was conducted through online mode as well for participants outside Rishikesh. The Workshop was convened by Ernst & Young LLP (E&Y), Consultant for preparation and implementation of Corporate Plan and Strategy 2040. The objective of the workshop was to solicit the perspectives of the participants on the future trajectory of THDCIL for the development of corporate plan.

OPEN HOUSE PROGRAM ON "FINANCIAL NEW TRENDS IN POWER SECTOR"

A 03-day Open House Program on "Financial New Trends in Power Sector" was organized from 18th to 20th March, 2025 through IIM Sirmaur at Takshshila Sustainable Livelihood & Community Development Centre, HRD Campus, Rishikesh. The objective of the program was to provide a comprehensive understanding of financial innovations, strategic planning, risk management and compliance – all tailored specifically for the energy and construction sectors. The program was attended by participants from SJVNL, Grid India, REC, NEEPCO and THDCIL.

OPEN HOUSE PROGRAM FOR WOMEN PROFESSIONALS

A 03-day Open House Program Titled "Tejaswini- Leading From Within" For Women Professionals was held from 24th to 26th March, 2025 at Takshshila Sustainable Livelihood & Community Development Centre, HRD Campus, Rishikesh. The program aimed to empower women by equipping them with valuable leadership skills and promoting physical, mental and spiritual well being. The scope of program included aspects of Women Leadership, Health & Nutrition, Mindfulness, Spiritual Wellness and Personal Growth & Empowerment. Additionally, the program also included experiential activities such as Pranayam, Meditation, Music Therapy and Yog Nindra to further enhance participant's learning & well being. Renowned Faculties from IIPA, Former Director (HR), GRID CO, Senior Doctors from AIIMS, Rishikesh and Spiritual Speakers were invited as faculties for the program. The training program was complemented with a Musical Sufi Night, Ganga Aarti at Parmarth Niketan and Laughter Therapy session. The program was attended by 34 Nos. participants from Power Grid, SPMCIL, SJVNL, NHPC, UJVNL and THDCIL. The program was well appreciated by all the participants.

वीपीएचईपी द्वारा स्तन कैंसर जागरूकता सत्र का आयोजन

वीपीएचईपी द्वारा सार्वजनिक स्वास्थ्य जागरूकता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से दसवाना गांव, चमोली में स्तन कैंसर जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को स्तन कैंसर की प्रारंभिक पहचान, रोकथाम और समय पर उपचार के प्रति जागरूक करना था। इस अवसर पर वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (औषधालय), डॉ. निकिता शर्मा ने स्तन कैंसर के लक्षण, जोखिम कारक और प्रारंभिक जांच के तरीकों की जानकारी दी। उन्होंने गंभीर बीमारियों की रोकथाम में प्रारंभिक निदान और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व पर भी प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में फील्ड अधिकारी (सामाजिक), सुश्री अभिजिता साहू, सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती नीलम और श्रीमती रामेश्वरी हटवाल ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया और
उपस्थित महिलाओं के प्रश्नों का समाधान किया।

वीपीएचईपी द्वारा अलकनंदा नदी में स्नो ट्राउट संरक्षण हेतु रैंचिंग एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

स्वदेशी मछली प्रजातियों के संरक्षण और वीपीएचईपी के मत्स्य प्रबंधन योजना को लागू करने के उद्देश्य से 23 व 24 मार्च, 2025 को दो दिवसीय रैंचिंग एवं जागरूकता कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह पहल अलकनंदा नदी की बरही सहायक नदी के समीप आयोजित की गई, जिसे टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, आईसीएआर-सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ कोल्डवॉटर फिशरीज रिसर्च (आईसीएआर-सीआईसीएफआर), भीमताल, और मत्स्य विभाग, चमोली के संयुक्त सहयोग से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नदी की पारिस्थितिकी और जैव विविधता के महत्वपूर्ण संकेतक स्नो ट्राउट (Schizothorax spp.) की आबादी को बढ़ाना था। इस दिशा में 200 से अधिक उच्च गुणवत्ता वाली, रोग मुक्त स्नो ट्राउट ब्रूडर मछलियों और 5,000 मछली शावकों को अलकनंदा नदी में छोड़ा गया, जिससे संरक्षण प्रयासों और पारिस्थितिकी पुनर्स्थापन को बल मिलेगा। इस कार्यक्रम में परियोजना कर्मियों, मत्स्य वैज्ञानिकों, सरकारी अधिकारियों और स्थानीय समुदाय के सदस्यों ने भाग लिया, जहां जलीय पारिस्थितिकी तंत्र पर मानवीय प्रभावों और स्थायी मत्स्य पालन प्रबंधन की आवश्यकता पर चर्चा की गई। वीपीएचईपी के महाप्रबंधक (सामाजिक, पर्यावरण एवं यांत्रिक) श्री जितेंद्र सिंह बिष्ट ने स्वदेशी मछली संरक्षण की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। अन्य प्रमुख वक्ताओं में श्री के.पी. सिंह, महाप्रबंधक (टीबीएम), श्री एस.पी. डोभाल, अपर महाप्रबंधक (पावर हाउस), श्री आर.एस. मखलोगा, उप महाप्रबंधक (एचएम) और श्री अनिल भट्ट, उप महाप्रबंधक (टीबीएम) शामिल थे, जिन्होंने पर्यावरण संरक्षण रणनीतियों पर अपने विचार साझा किए।

भावभीनी विदाई एवं सुखद भविष्य की शुभकामनाएं

श्री वीर सिंह
कार्यपालक निदेशक (बी.डी.), ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 31-03-2025

Sh. Veer Singh, Executive Director (Business Development), superannuated from the Corporation on 31st March 2025 after serving for over 35 years. He holds a Post Graduate Diploma in Social Science with a specialization in Personnel Management from Xavier Institute of Social Science, Ranchi, and an LLB from University Campus, Badshahithaul, Tehri. He joined THDCIL in November 1990 at Tehri in the HR department.

Over the course of his career, he worked in various capacities, contributing to HR and administrative functions. Some of the initiatives during his tenure included centralization of HR establishment functions, digitization efforts such as QR-based medical cards, face-based attendance systems, and development of portals for retired employees. He also worked on streamlining promotion processes and implementing HR policies, as well as organizing wellness and telemedicine programs.

After taking charge as Executive Director (Business Development) in September 2024, he was involved in activities related to new business opportunities, including coordination with the Ministry of Power for an MoU with the Kyrgyz Republic, empanelment of channel partners in three states, and planning for the implementation of various schemes. His contributions in THDCIL will always be remembered.

भावभीनी विदाई एवं सुखद भविष्य की शुभकामनाएं

श्री जितेंद्र सिंह बिष्ट
महाप्रबंधक (जलविद्युत, यांत्रिक, सामाजिक व पर्यावरण)
पीपलकोटी
सेवानिवृत्ति: 31-03-2025

Sh. Jitendra S. Bist, General Manager (Hydro-Mechanical, Social & Environment), superannuated from THDC India Limited on 31st March 2025, after rendering nearly 30 years of distinguished and multifaceted service to the organization. Academically, Sh. Bist holds a B.Sc. degree from Garhwal University, a B.Tech. degree from MMMEC, Gorakhpur, and a Post Graduate Program in Management from IMT-CDL, Ghaziabad.

He joined THDCIL in November 1995 and over the course of his career, he gained extensive experience in the maintenance and operation of vehicles, Heavy Earth Moving machines (HEMs), water supply systems, and hydro-mechanical works. He is also known for his excellence in handling public relations matters and effective stakeholder engagement. His deep insight into the social and environmental issues related to hydro power projects added great value to THDCIL's mission of sustainable development.

Sh. Bist played key roles in several major projects during his tenure. He served for two years at THDCIL, Rishikesh, actively engaged in M&R and operation of HEMs and transport vehicles. His 17 years at Tehri saw his significant contribution to the construction of the Tehri Hydro Power Project. He was also closely involved in the Vishnugad-Pipalkoti Hydro Electric Project (VPHEP) for 11 years, where he contributed to the project's execution and management.

Sh. Jitendra S. Bist's valuable contributions will always be remembered by THDCIL.

श्री दीपक कुमार
अपर महाप्रबंधक (गुणवत्ता नियंत्रण)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 31-03-2025

श्री चंदन सिंह राणा
अपर महाप्रबंधक, पीएसपी
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 31-03-2025

श्री बी. पी. कपतियाल
वरिष्ठ प्रबंधक (सामाजिक व पर्यावरण)
पीपलकोटी
सेवानिवृत्ति: 31-03-2025

श्री नीलेंद्र बहुगुणा
कनिष्ठ कार्यपालक, (डिस्पेंसरी)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 31-03-2025

श्री के. एस. पंवार
अधिकारी, (सी एंड आर आर एस डब्ल्यू) टिहरी
सेवानिवृत्ति: 31-03-2025

श्री नंदकिशोर
कनिष्ठ अधिकारी,(वित्त एवं लेखा)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 31-03-2025

श्रीमती बसंती देवी
कनिष्ठ अधिकारी (नर्सिंग)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 31-03-2025

श्री त्रिलोक सिंह नेगी
कनिष्ठ अभियंता (सेवा)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 31-03-2025

श्री साहेब राम
उप अभियंता (सेवा)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 31-03-2025

Designed In-House by Corporate Communication
Department, Rishikesh

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED

डॉ. ए. एन. त्रिपाठी, महाप्रबंधक (मा. सं. एवं प्रशा. व जनसंपर्क) द्वारा टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के लिए गंगा भवन, प्रगतिपुरम, बाईपास रोड़, ऋषिकेश- 249201 (उत्तराखंड) से प्रकाशित
फोन: 0135-2473504, वेबसाइट: www. thdc. co.in, ईमेल: prthdcil@gmail.com & hj.thdc@gmail.com
गृह पत्रिका/न्यूज़ लेटर में प्रकाशित लेखों/रचनाओं में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के अपने हैं और उनसे टीएचडीसीआईएल प्रबंधन का सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
(निशुल्क आंतरिक वितरण के लिए)

Follow us:- @THDCIL 24x7 @THDCIL_MOP @THDC-India-limited @THDCIL India Limited - Official @THDC India Limited-Official